ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-04-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-04-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-04-30	2022-05-01	2022-05-02	2022-05-03	2022-05-04
वर्षा (मिमी)	0.0	5.0	8.0	10.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	28.0	28.0	26.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	14.0	13.0	15.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	55	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	35	35	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	8.0	6.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	120	120	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	3	2	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी 30 अप्रैल से 3 मई के दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 25.0 से 29.0 व 13.0 से 15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 4 से 10 मई के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम व अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.2-0.4 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों से नैनीताल जिले में हल्की सूखे की स्थिति दर्शाता है। किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें।

लघु संदेश सलाहकार:

30 अप्रैल से 3 मई को हल्की वर्षा की सम्भावना है।2,3 मई को कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली/ओला गिरने व हवा के तेज गति से लगभग क्रमशः 30-40 व 60-70 किमी/घंटे की गति से चलने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, गेहूं की फसल की कटाई और मड़ाई पूर्ण कर, कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान में पर रखें।
भिण्डी	भिण्डी की फसल में पत्तियों की नसे यदि पीली पड़ रही हो तो ऐसे पौधो को निकालकर नष्ट कर दे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण के लिए किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करें। छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
डाइन्चा	अगर सिंचाई की सुविधा है तो गेंहूँ एवं अन्य रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत में हरी खाद हेतू ढेंचा तथा सनई की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
राजमा/ लोबिया	लोबिया व फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिंचाई करे।
सेम की फली	फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिंचाई करे।
टमाटर	पर्वतीय क्षेत्रों में यदि टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च की पौध का प्रतिरोपण 1 माह पूर्व हो गया हो तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें साथ ही साथ नमी संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करें।
आम	आम के बाग में डांसी मक्खी के लिए काष्ठ निर्मित यौन गंध ट्रैप को पेड़ पर लगाना चाहिए (10 ट्रैप/है0)। यौन गंध ट्रैप को दो माह में बदल देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॉन अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव समय समय पर कराते रहे। इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूय पिलाये। पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज करें
गाय	इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूय पिलाये। पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज करें|

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	मई माह मे खेत की मेड़ बन्दी कर जुताई कर के छोड़ दे। ग्रीष्मकालीन जुताई से खेत के कीटो एवं बीमारियो के लारवा एवं खरपतवार आदि के बीज नष्ट हो जाते है मेड़ बन्दी से वर्षा जल खेत में ही रहेगा तथा जल बहाव के साथ मिट्टी बहकर बाहर नही जाएगी। रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत से इस मई माह में मृदा नमूना खेत से 10-15 विभिन्न स्थानो से लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी तक की गहराई से लेना चाहिए।